Total No. of Printed Pages—4

4 SEM TDC HND M 1

2 0 1 8

(May)

HINDI

(Major)

Course : 401

(गद्य-कथा साहित्य)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32/24

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'देवदारु' किस प्रकार का निबंध है?

(ख) 'हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग' किसकी रचना है?

(ग) सदानंद किस कहानी के मुख्य पात्र हैं?

(घ) 'दाह-संस्कार' कहानी का हिन्दी अनुवाद किसने किया है?

(ङ) '1084वें की माँ' का मूल भाषा में प्रकाशन कब हुआ था?

(च) व्रती किस आंदोलन से जुड़ा हुआ था?

(छ) सुजाता के पति का क्या नाम है?

(ज) महाश्वेता देवी का जन्म कहाँ हुआ था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'देवदारु' को जरठ एवं खूँखार क्यों कहा है?

(ख) शादीराम कौन थे और सदानंद से उनका क्या संबंध था?

(ग) सुजाता के लिए दिव्यनाथ अपना अस्तित्व क्यों खो चुके थे?

(घ) सुजाता और सोमो के मनोभाव में क्या समानता है?

3. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) ''नौ महीने तक शायद इसीलिए अपने-आप को जाने कितनी अश्लील और अपवित्र मानती रही थी वह। शरीर के बढ़ते हुए भार को लगातार कोसती रही थी, लेकिन जैसे ही पता लगा कि बच्चे का जीवन संकट में है, तभी मन ममता से छटपटा उठा था।''

अथवा

''शोक से भी बलवान है समय। शोक तट है तो समय सदा प्रवाहित होने वाली गंगा। समय शोक पर बार-बार मिट्टी की परत चढ़ाता जाता है, फिर एक दिन प्रकृति के अमोघ नियमों के अनुसार समय की परतों के नीचे दबे शोक पर अंकुर सी उँगलियाँ उगती हैं।''

(ख) ''किसी की बेकार खींची हुई रेखाओं से उसकी तत्कालीन मनःस्थिति का पता अच्छी चल सकता है। सार्थक रेखाएँ या तो त्रिभुज बनाएंगी या किसी मकान अथवा पुल का मॉडल, आदमी नहीं।''

अथवा

''उसी तरह आदमी के मन में भी एक दहन शक्ति होती है। जब वह शांत रहती है तब अपना धर्म निभाती हुई प्रकाश देती है। जब उग्र होती है, तब आग लगती है। और जब वह शक्ति भी नहीं रह जाती, वह अँधेरा फैलाती है।''

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) सुजाता को अपने पति, संतान और दामाद के बुरे बर्ताव को लेकर भी दुःख नहीं था, ऐसा क्यों?

(ख) व्रती विद्रोही क्यों बन जाता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) नामवर सिंह ने 'सार्थक शब्द' को सामाजिक परंपरा का नपा-तुला ढाँचा क्यों कहा है?

(घ) ''शालिग्राम के पत्थर से बढ़कर कोई और चीज नहीं हो सकती।'' इस कथन की समीक्षा 'दाह-संस्कार' कहानी के आधार पर कीजिए।

5. कहानी कला की दृष्टि से 'अलबम' कहानी की समीक्षा कीजिए। 11

अथवा

'देवदारु' निबंध के आधार पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के विचारों पर प्रकाश डालिए।

6. "'1084वें की माँ' महज एक कालखण्ड का दस्तावेज ही नहीं बल्कि विद्रोह की सनातन कथा भी है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 11

अथवा

'1084वें की माँ' के आधार पर दिव्यनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

अथवा

एक उपन्यासकार के रूप में प्रेमचंद का मूल्यांकन कीजिए।

★ ★ ★